भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 6239

दिनांक 02.04.2026 को उत्तर के लिए नियत

उपयुक्त वस्त्र के रूप में खादी का संवर्धन

6239. **डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या खादी वस्त्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पूरी तरह से टिकाऊ वस्त्र है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, साथ ही प्रमाणन, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सिंथेटिक वस्त्रों के साथ तुलनात्मक डेटा क्या है और यदि नहीं, तो इसकी संधारणीयता कितनी है;

(ख) वर्ष 2020 से 2026 तक खादी उत्पादन की मात्रा, प्रति इकाई जल/ऊर्जा खपत, कार्बन फुटप्रिंट और अपशिष्ट उत्पादन का वर्षवार ब्यौरा क्या है, साथ ही पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए किए गए उपाय क्या हैं;

(ग) क्या खादी की संधारणीयता (कपास की खेती से लेकर वस्त्र के निपटान तक) संबंधी जीवनचक्र विश्लेषण या वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं और यदि हां, तो जैव-अपघटनीयता और पुनर्चक्रण क्षमता मापदंडों सहित इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं;

(घ) पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान खादी को एक संधारणीय वस्त्र के रूप में संवर्धित करने वाली सरकारी नीतियों, योजनाओं और वित्तीय प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है, साथ ही ग्रामीण कारीगरों के लिए बजट आवंटन क्या है और कितना रोजगार सृजन हुआ है; और

(ङ) खादी को संधारणीय फैशन के वैश्विक मॉडल के रूप में स्थापित करने के लिए उठाए जाने वाले कदम क्या हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): खादी हाथ से काता हुआ और हाथ से बुना हुआ कपड़ा होता है, जो प्राकृतिक फाइबर, जैसे कि कपास, रेशम, ऊन, और उनके मिश्रण से बनता है और विशेषकर ऊर्जा दक्षता तथा संसाधन उपयोगिता के संदर्भ में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों संधारणीयता मापदंडों के अधीन संधारणीय वस्त्रों से जुड़े गुणों से युक्त होता है, चूंकि यह काफी हद तक मैनुअल उत्पादन प्रक्रिया है, जिसके परिणामत: इसमें बहुत कम ऊर्जा खपत और न्यूनतम कार्बन फुटप्रिंट होता है, जबकि प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल फाइबर का उपयोग पर्यावरण प्रभाव को और कम करता है और चक्रीयता में सहायता करता है। खादी की कुछ किस्में, जैसे कि पोंडुरु खादी (आंध्र प्रदेश), काला कॉटन (गुजरात) और रेशम की किस्में जैसे टसर और एरी का उत्पादन पारंपरिक और कम इनपुट प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाता है, जो उनकी संधारणीयता प्रोफ़ाइल को बढ़ाते हैं। खादी को प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके भी रंगा जाता है, जिससे यह पर्यावरणीय अनुकूल हो जाता है, जिससे खादी व्यापक रूप से वैश्विक संधारणीयता सिद्धांतों के साथ संरेखित हो जाती है।

(ख) और (ग): वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान खादी उत्पादन की मात्रा का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**खादी के उत्पादन की मात्रा (मिलियन वर्ग मीटर में)**
2020-21	145.99
2021-22	194.47
2022-23	183.00
2023-24	172.86
2024-25	172.99

खादी की संधारणीयता पर जीवन चक्र विश्लेषण या वैज्ञानिक अध्ययन सहित वर्ष 2020-2026 की अवधि के लिए प्रति इकाई जल और ऊर्जा खपत, कार्बन फुटप्रिंट और अपशिष्ट उत्पादन के संबंध में विशिष्ट आकलन नहीं किए गए हैं।

(घ): खादी और ग्रामोद्योग विकास योजना (केजीवीवाई) नामक प्रमुख स्कीम के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) उत्पादन, बिक्री, विपणन, अवसंरचना, प्रशिक्षण आदि सहित देश-भर में खादी गतिविधियों की सहायता और संवर्धन के लिए विभिन्न स्कीमों और कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रहा है।

(ङ): खादी और ग्रामोद्योग आयोग खादी को वैश्विक संधारणीय वस्त्र के रूप में स्थापित करने के लिए लक्षित अंत:क्षेप कर रहा है, जिनमें डिजिटल आउटरीच के साथ केंद्रित प्रचारात्मक अभियान, गुणवत्ता और पर्यावरणीय मानकों को सुदृढ़ करना और खादी संस्थानों के लिए विस्तारित क्षमता-निर्माण और पथ-प्रदर्शन सहायता शामिल हैं। इस संबंध में, अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिए खादी उत्पादों के लिए डिजाइन अंत:क्षेप, उत्पाद विकास, क्षमता-निर्माण और सहायता प्रदान करने के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से खादी उत्कृष्टता केंद्र (सीओईके) की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, केवीआईसी ई-कॉमर्स पोर्टल www.khadiindia.gov.in का प्रचालन करता है, जिसमें लगभग 5000 से अधिक विभिन्न केवीआई उत्पाद शामिल हैं। यह विभिन्न केवीआई इकाइयों को डिजिटल विपणन पहुंच प्रदान करता है।

*****